POLSTRAT x TEAM CVOTER
we read the pulse of the nation

COVID-19 पोल

33.8% भारतीयों ने निजी क्षेत्र के बैंकों में भरोसा कम होने की रिपोर्ट की है और संकेत दिए हैं कि वे अपनी बचत और धन को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में परिवर्तित करेंगे।

टीम C-voter के द्वारा 18 से 23 मई 2020 तक किए गए कोरोना ट्रैकर इकोनॉमी बैटरी (तरंग 3) के सर्वेक्षण में उत्तरदाताओं से लॉकडाउन के दौरान कोरोनवायरस संकट के प्रभाव और उनकी आर्थिक स्थिति पर असर के बारे में उनकी दृष्टिकोण का जायजा लिया गया। सर्वेक्षण में लॉकडाउन के कार्यान्वयन पर उत्तरदाताओं के दृष्टिकोण पर प्रश्न, सरकार द्वारा घोषित राहत पैकेज के साथ-साथ चिकित्सा देखभाल, भोजन और नौकरी के नुकसान को वहन करने में सक्षम नहीं होने का डर भी शामिल था।

आज के इन्फोग्राफिक में, **टीम पोलस्ट्रैट** ने 'निजी क्षेत्र के बैंकों में भारतीयों के विश्वास के स्तर और क्या वे अपने पैसे और बचत को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में परिवर्तित करेंगे' का विश्लेषण किया है।

Q क्या आप अपने पैसे और बचत के लिए निजी/सहकारी बैंकों पर भरोसा करते हैं? क्या आप सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में जाने की योजना बना रहे हैं?

38.1%
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में परिवर्तित नहीं होने की योजना

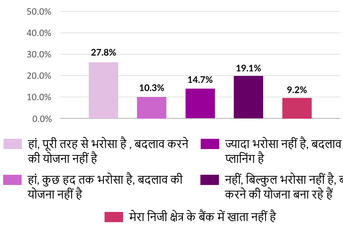

33.8%
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में परिवर्तित होने की योजना

कुल मिलाकर, **निजी क्षेत्र के बैंकों** में भरोसे पर भारी **गिरावट देखी जा रही है**, लगभग 34% **उत्तरदाताओं ने संकेत दिया है कि वे निजी से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में जाना चाहते हैं।**

18.8% उत्तरदाताओं ने इस प्रश्न का उत्तर "नहीं जानते/नहीं कह सकते हैं" में दिया है।

कौन सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में जाना चाहता है?

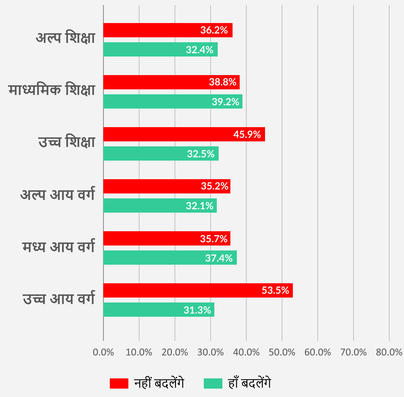

आय और शिक्षा समूहों के अलावा, हमने पाया कि **उच्च शिक्षा और आय वाले लोगों को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों** में बदलाव करने की कम से कम संभावना है। **उच्च-आय वाले समूहों में 53.5% और उच्च शिक्षा समूहों में 45.9% लोग सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में परिवर्तित नहीं होना चाहते हैं।**

यह आंकड़ा **अल्प आय और शिक्षा समूहों में उन लोगों के लिए काफी कम है**। प्राथमिक शिक्षा समूहों में केवल **36.2% और तुलनात्मक रूप से अल्प आय वर्ग के 35.2% लोग निजी बैंकों में विश्वास के कुछ स्तर को इंगित करते हैं** और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में परिवर्तित होकर जाना नहीं चाहते हैं।

सभी सर्वेक्षण निष्कर्ष और अनुमान को **टीम C-Voter** के द्वारा कि गयी कोरोना ट्रैकर इकोनॉमिक बैटरी तरंग 3 की सर्वेक्षण पर आधारित है जो मई 2020 में 18+ वयस्कों के बीच राज्यव्यापी किया गया था, जिसमें हर प्रमुख जनसांख्यिकीय शामिल है।

डेटा को हर राज्य के ज्ञात जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल के साथ जोड़ा जाता है, जिसमें आयु वर्ग, सामाजिक समूह, आय, क्षेत्र, लिंग और शिक्षा स्तर शामिल हैं। **(नमूना आकार: 1474)**

| सोशल मीडिया पार्टनर

अधिक जानकारी के लिए:
polstrat.com | teamcvoter.com